शिक्षा से होंगे सपने साकार, बाल विवाह नर्क का द्वार

आज इकीसवीं सदी में भी कई बच्चे ऐसे हैं जिन्हे न शिक्षा का अधिकार मिल पाता है और न ही अपना बचपन मासूमियत से जीने का। क्यूंकि बाल विवाह जैसा अभिशाप आज भी कई बच्चों को जीवन भर की पीड़ा देता है। इसलिए रेडियो मधुबन 90.4 FM पर UNICEF और CRA के सहयोग से एक मुहीम चलायी जा रही है, जिसका नाम है 'बचपन एक्सप्रेस'।

इसी मुहीम के तहत, जनजातीय भवन, दानवाव में महिला एवं बाल विकास विभाग, आबूरोड द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्तओं के लिए ट्रेनिंग के दौरान सामुदायिक रेडियो, रेडियो मधुबन की ओर से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आबूरोड के CDPO नितिन गेहलोत जी उपस्थिति रहे और 300 से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुए।

रेडियो मधुबन की टीम ने 'जादूगर दिखाए बाल विवाह का भविष्य' ड्रामा प्रस्तुत किया गया।जिसमें एक बच्ची की अगर स्कूल छुड़वा कर शादी कर दी जाती है तो उसका दुष्परिणाम क्या हो सकता है, ये दिखाया गया । इस विषय में सातपुरा, मानपुर तथा विभिन्न स्थानों से पहुंची आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बाल विवाह के हानिकारक प्रभाव बताये । साथ ही ऐसे तरीकों के बारे में भी चर्चा की गयी जिससे बाल विवाह रोका जा सकता है । नितिन गेहलोत जी ने कहा की नुक्कड़ नाटक जैसे तरीकों से जागरूकता लायी जा सकती है। रेडियो मधुबन की प्रोडक्शन हेड बी.के.कृष्णा ने शिक्षा की एहमियत को गहराई से समझने की बात कही ।